राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 490
खलनायक नागराज
इस विशेषांक के साथ नागराज के टी.वी. सीरियल की 100/- मूल्य की एक V.C.D. मुफ्त

हर इंसान के कई रूप होते हैं। चंचल, गंभीर, खुश, उदास, शांत, क्रुद्ध, ये सारी भावनाएं इंसान को नए-नए रूप देती रहती हैं। मुश्किल तब होती है जब इंसान के अंदर बुरी भावनाएं अपना सिर उठाने लगती हैं। जब तक ये भावनाएं शरीर के अंदर रहती हैं तब तक इनको दबाना आसान होता है। लेकिन इंसान तब क्या करे जब ये भावनाएं शरीर से बाहर आकर रूप धारण कर लें? समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब वह इंसान हो नागराज और उसकी बुरी भावनाएं रूपधर कर बन जाएं...

खलनायक नागराज

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंगः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

महानगर का कम्यूनिटी हॉल-
तड़ तड़ तड़
कमाल की मानसिक शक्ति है ब्रेनगन में राज! ये... हाथ की सफाई तो नहीं हो सकती न?
नहीं भारती! ये शक्ति असली है! इस शक्ति को 'टेली-काइनेसिस' कहते हैं! मानसिक शक्तियों द्वारा वस्तुओं को चला सकने की शक्ति! ये कला भगवान की देन होती है! सीखी नहीं जा सकती!
ये इस शो की सिर्फ मामूली सी शुरुआत थी दोस्तों! मानसिक शक्ति का असली करिश्मा तो ब्रेनगन आपको अब दिखाएगा!
ये देखिए!
पानी से भरा हुआ बुलेटप्रूफ कांच का यह जार!

आप देख सकते हैं कि ये कांच बुलेटप्रूफ है!
THE BRAIN C... SHOW
धांय
ठिंग
अब ध्यान से देखिए! मेरी मानसिक शक्ति इस पानी का क्या करेगी?
अमेजिंग! केवल दूर से सिर्फ देखकर पानी को भंवर की तरह घुमा रहा है!
सिर्फ घुमा नहीं रहा! इतनी तेजी से घुमा रहा है कि पानी का तापमान...
...बढ़ रहा है! पानी उबल रहा है!
भाप बन रही है!
और भाप का प्रेशर इतना बढ़ रहा है...
...कि बुलेटप्रूफ जार फट पड़ा है!

धन्यवाद, धन्यवाद!
तालियां...तालियां...
लेकिन इन तालियों को अभी बचाकर रखिए!
क्योंकि इस मेंटल पावर के शो का क्लाइमेक्स आइटम अभी बाकी है!
ऊपर देखिए!
दोस्तो! अब हुक कार को छोड़ेगा! और कार ठीक मेरे ऊपर गिरेगी!
और मुझको कुछ बचाएगी तो सिर्फ मेरी मानसिक शक्ति!
अंजाम क्या होगा यह मैं खुद नहीं जानता, क्योंकि मैं यह खेल पहली बार दिखा रहा हूं!
ओ गॉड! ऊपर हुक से एक कार अटकी हुई है! ब्रेनगन के सिर के ठीक ऊपर!
पर क्यों? इस कार से क्या करना चाहता है ब्रेनगन?
देखते रहो! तमाशा वाकई जोरदार होगा!
हुक को खोल दो!
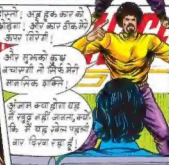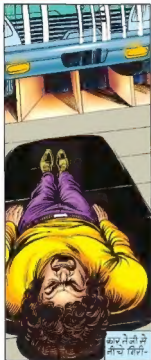
कार तेजी से नीचे गिरी-
और साथ ही साथ दर्शकों की सांसें भी थम गईं-
कुछ ही पलों में जिन्दगी और मौत में से एक को जीत जाना था-
और इस वक्त पलड़ा मौत का भारी था-
ब्रेनगन की भंवे सिकुड़ती जा रही थीं। उसकी मानसिक शक्ति को बढ़ाने की कोशिश साफ नजर आ रही थी-
लेकिन कार का गिरना अभी भी जारी था-
ब्रेनगन का दिमाग, अब अपने शरीर के बारे तक में भूल चुका था-
अब ब्रेनगन को उसकी जीत या हार का एहसास सिर्फ एक ही चीज दिला सकती थी-
दर्शकों की तालियां-
हॉल, तालियों से गूंज उठा था-
क्योंकि कार ब्रेनगन के शरीर से कुछ इंच ऊपर हवा में थम गई थी-

इन तालियों ने अंजाने में एक खतरनाक स्थिति पैदा कर दी थी-
जिसको नागराज की आंखों ने तुरन्त भांप लिया था-
तालियों की आवाज ने ब्रेनगन का ध्यान बंटा दिया है। कार को हवा में थामें रखने वाली उसकी मानसिक शक्ति टूट रही है।
कार इसको कुचल डालेगी। मुझे इसको बचाना होगा।
पर कैसे? इतनी भीड़भाड़ वाली जगह पर मैं इतनी जल्दी नागराज कैसे बन सकता हूं।
लेकिन एक दूसरा तरीका है!

ब्रेनगन को खतरे का आभास थोड़ी देर से हुआ था-
ओह! ये मुझसे क्या हो गया? अब मैं कार को हवा में थामे नहीं रख सकता! आऽऽऽह!
पर... पर ये क्या? मेरा ध्यान टूट रहा है! लेकिन... लेकिन कार मुझ पर गिर क्यों नहीं रही है?
DANGER

जवाब यहां पर था-
कार इस पर इसलिए नहीं गिर रही है क्योंकि मैं अपनी फुंकार से कार और इसके शरीर के बीच में हवा का एक गद्दा बना रहा हूं। बस ध्यान मुझको इस बात का रखना है कि इस फुंकार में विष न मिश्रित होने पाए!

आखिरकार हवा के गद्दे ने कार को ब्रेनगन के शरीर से दूर उछाल दिया-
आऽऽऽ ह! बच गया मैं...
...और मुझको बचाने वाला शख्स वह है। यह कौन है और इसने मुझे कैसे बचाया यह तो मुझे पता नहीं। पर मैं इसका शुक्रिया जरूर अदा करूंगा!

ऑटोग्राफ प्लीज!
एक मुझे भी!
अरे! वह फरिश्ता आ रहा है!
हटो! हटो, रास्ता दो मुझे! अभी मैं सब को ऑटोग्राफ दूंगा!
एक मिनट! एक मिनट! जरा मेरी बात सुनिए!
बेगमन तुमको बुला रहा है राज! पर क्यों?
पता नहीं, भारती!
आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!
किस बात के लिए?
मेरी जान बचाने के लिए!
आपकी जान? आपकी जान मैंने कब बचाई?
छुपाने की कोई जरूरत नहीं है! आपने मुझे कैसे बचाया, यह तो मैं नहीं जानता, पर इतना मुझको जरूर अहसास हो रहा है कि आपके अंदर कोई अद्भुत शक्ति है!
ये... ये आप क्या कह रहे हैं? मैं तो राज हूं! एक न्यूज चैनल का मामूली सा कर्मचारी!
आप जो भी हो मिस्टर राज! आपने मेरी जान बचाई है! और समय आने पर मैं यह कर्ज जरूर उतारूंगा!
ये सब क्या चक्कर है राज? तुमने इसकी जान कब बचाई?
बताऊंगा भारती! फिलहाल तो यहां से खिसक लो!
इस खतरनाक आदमी के पास राज का ज्यादा देर तक रहना ठीक नहीं है!

लेकिन राज उर्फ गजराज की किस्मत में महानगर के उस ऑडिटोरियम से जल्दी जाना नहीं लिखा था-
एक ऑटोग्राफ मुझे भी दीजिए न! मैं तो दीवानी हूं आपकी! आज तक मैंने आपका एक भी शो नहीं छोड़ा है!
ऐसे प्रशंसक तो किस्मत वालों को मिलते हैं! लाइए अपनी ऑटोग्राफ बुक!
ये लीजिए बुक! और ये लीजिए पेन! इसी पेन से ऑटोग्राफ दीजिएगा मुझे!
लाइए!
अरे! ये... ये कैसा पेन है? ये मेरे हाथ से चिपक गया है! और इसमें से तेज वायब्रेशन निकल रहे हैं... जो... मेरे... पूरे शरीर को... सुन्न करने आ रहे हैं!
मैं... मैं...
...बेहोश हो रहा हूं ssss
अब ले चलो इसे!
इसको खड़ा करके सहारा देकर ले जाना! ताकि कोई देखे तो यही समझे कि ये हमारे साथ मर्जी से जा रहा है!
अब चलो!

RCJ
बाहर-
अब क्या हो गया, भारती ? चलती क्यों नहीं ?
तुम्हारे चलो-चलो के चक्कर में मैं ब्रेनगन से भारती चैनेल पर इसके शो के बारे में बात करना तो भूल ही गई!
चलो कहां ? वह तो इधर ही आ रहा है! लो अभी बात कर लेती हूं! मिस्टर ब्रेनगन!
मैडम, ये तो इधर ही आ रहे हैं!
क्या करना है इनका ?
चलो! उससे तुमको ही शो की बात करनी है!
वैसे भी, उसको तुम्हारा न जाने किस बात का एहसान उतारना है!
मैं पहचानती हूं इनको! ये न्यूज चैनेल वाले हैं! इनकी नजरें गिद्ध से भी तेज होती हैं!
इनको पास मत आने देना!
हटो, हटो! पीछे हटो! मिस्टर ब्रेनगन अभी किसी से बात नहीं कर सकते!
अरे! ब्रेनगन तो बेहोश है! कुछ गड़बड़ है!
माफ करना मैडम! पर अब हम तुमको जिन्दा नहीं जाने दे सकते!
घ...घबराना मत मैडम!
मैं अभी मदद लेकर आता हूं!

और वह मदद है..
...नागराज!
महानगर में कोई भी अपराध करने में यही न रुकावट है.
पत्ता भी खड़कने से ये शैतान आकर हड्डियां कड़कड़ा देता है! इसको रोको, मेंटाल तब तक इस शैतान को लेकर यहां से निकलते हैं.
ओ हुक्म मैडम अब नागराज आपके पीछे नहीं भागेगा, बल्कि इसके साथ भागेगी इसकी मौत

और इसको इस मौत के हवाले करेगा, लिक्विड मेटल का बना जेनरल मेन्टल.

ओफ्फ, इस लिक्विड मेटल के शरीर पर मेरे वारों का असर नहीं हो रहा है, मेरे वार इसके शरीर के अंदर घुसते जा रहे हैं
और उधर वे दोनों ब्रेसलेट को लेकर भाग रहे हैं
मुझे इनसे ... के बजाय ब्रेसलेट को बचाना चाहिए.
नागराज ब्रेसलेट की तरफ बढ़ा तो जरूर लेकिन वहाँ तक पहुंच नहीं पाया-
अपनी मौत से बचकर भागना चाहता है नागराज ... लगता है तूने वह कहावत सुनी नहीं कि मौत से बचकर कोई नहीं भाग सकता
लिक्विड मेटल की ... गोलियां नागराज के शरीर को छेदती निकल गई-

गोलियों के धक्के ने नागराज को जमीन पर ला पटका
और अगले ही पल उसका शरीर पतले-पतले धातु के तारों से जकड़ गया
आऽऽऽह, ये तार तेज ब्लेडों की तरह मेरे शरीर को काट रहे हैं.
और ब्लैकक्रॉ भी मुझसे दूर होते जा रहे हैं.
मुझको इच्छाधारी कणों में बदलना होगा.
मैन्ड्राल के जैसे नागराज की इसी हरकत का इंतजार था-
इतनी जल्दी भी क्या है नागराज? मरना है तो तड़प-तड़प कर मरो.
और अब धातु का यह खोल सिकुड़ रहा है, साथ ही साथ मेरी हड्डियां भी कड़कने शुरू हो रही हैं, आऽऽऽह.
नागराज को अब ब्लैकक्रॉ के बजाय अपनी जान बचाने के बारे में सोचना पड़ रहा था-
आऽऽऽह, इससे पहले कि मैं इच्छाधारी कणों में बदलकर बिखर पाता, इसने मुझको धातु के खोल में ढकना शुरू कर दिया है.

हा हा हा. अब कुछ भी कर ले नागराज, लेकिन मेरा मेटल कवर तुझको दबा-दबाकर मार डालेगा. बड़ी दर्दनाक मौत होगी तेरी.
दर्दनाक मौत नागराज की नहीं, तेरी होगी त्रिकाल. नागराज के ऊपर चढ़ तेरे सिकुड़ने वाले कवर को जकड़ी मेरी तिलिस्मी आग. अब ये कवर नहीं सिकुड़ेगा, क्योंकि धातु, गर्मी पाकर सिकुड़ती नहीं, बढ़ती है.
लेकिन तू धातु का बना है. और मैंने तुझ जैसी धातु से बनी एक ही चीज देखी है. मूर्तियां. अब तू मूर्ति बनकर ही सकता है — हैं.
क्योंकि अब मेरा तिलिस्मी वार तेरे लिक्विड मेटल के शरीर को ठोस बना देगा.
कड़ी धातु की मूर्ति जैसा ठोस.
मुझे मूर्ति बनाकर तो मेरा बदन भी कड़ा हो जाएगा मुर्दे जैसा कड़ा. क्योंकि तब तेरी गर्दन पर लिपटा मेरा लिक्विड मेटल का शिकंजा भी कड़ा होकर तेरी गर्दन दबा डालेगा.
आह. दम घुट रहा है. लेकिन... मैं हार नहीं मानूंगी.
भारती द्वारा पैदा किए गए इस व्यवधान ने नागराज को सोचने का मौका दे दिया था-
मैंने भारती की बात सुनी है. तिलिस्मी आग इस खोल का सिकुड़ना रोक तो नहीं पाई है लेकिन इसके सिकुड़ने की गति धीमी जरूर हो गई है.
अब मुझे थोड़ा समय मिल गया है. पर मैं समय लेकर करूंगा क्या? मैं तो बाहर देख भी नहीं सकता. या... देख सकता हूं. अपने जासूस सर्पों की आंखों से. उनसे मानसिक संपर्क बनाकर.

अपने सबसे पास मौजूद जासूस सर्प से संपर्क बनाते ही नागराज को उनकी आंखों से अपने आस-पास का दृश्य नजर आने लगा-
ओह, मुझको वह चीज नजर तो आ रही है जो मुझको बचा सकती है। लेकिन इस योजना में दोहरा खतरा है.
एक तो इस योजना को पूरा करने के लिए मुझे निश्चित ही आग के घेरे से बाहर निकलना पड़ेगा, और तब इस खोल के सिकुड़ने की गति फिर तेज हो जाएगी
और दूसरा यह कि इस योजना में मेरी जान भी जा सकती है क्योंकि मुझ पर होने वाला वार काफी तीव्र होगा
पर योजना तो पूरी करनी ही होगी, क्योंकि बचाव तो मैं ऐसे भी नहीं.
जासूस सर्पों! मुझे खींचकर मेरी बताई जगह पर ले चलो.
जासूस सर्पों ने नागराज को खींचना शुरू कर दिया-
भारती, नागराज को बचाने के लिए अपनी जान लड़ा रही थी-
लेकिन अब उनकी
आऽऽऽह! बेहोशी छा रही है। इसका शरीर कड़ा होने के साथ-साथ शिकंजा भी कड़ा होकर मेरी गर्दन पर कसता जा रहा है अंधेरा... छा... रहा है.

लेकिन मैं आज़ाद होने के बावजूद भी बेलगाम को बचाने के लिए नहीं जा सकता, क्योंकि फिलहाल मुझे अपनों को बचाना है.
कुछ ही पलों बाद-
अरे लड़की को किसने बचाया ?
सल्टॉल को ठण्डा करना ही पड़ेगा और इसको ठण्डा करने का तरीका मुझको समझ में आ चुका है.
नागराज, तू बच कैसे गया ? यह तो असंभव है
असंभव को संभव बनाना ही नागराज का काम है. जैसे कि तू अपनी जिस चीज़ को असंभव मानता है उसको संभव बनाने का सामान लेकर आया हूं मैं, ये एसिड कैन

आऽऽऽह मेरी नाग शक्तियां इस धातुई मेल्टॉन को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं और इसके विद्युत झटके मुझे इच्छाधारी कणों में बदलने नहीं दे रहे हैं. अब कैसे निपटूं मैं इस पर ऐसे शरीर वाले खतरनाक प्राणी से? एक मिनट, पारे जैसा. हां, मिल गया हल इस समस्या का.
इस समस्या का हल है गर्मी, जो मेरे ध्वंसक सर्पों के धमाके पैदा करेंगे. गर्मी पाकर जैसे पारा बढ़ता है वैसे ही इसका शरीर भी बढ़ेगा.
लेकिन किसी भी चीज के बढ़ने की एक सीमा होती है.
और उस सीमा से पार जाते ही चीज का अस्तित्व खत्म हो जाता है
ऊर्जा पाकर मेल्टॉन का तरल धातु का शरीर फूलता चला गया -

और फिर- एक धमाके के साथ मेस्टॉम के टुकड़े हवा में बिखर गए-
पता नहीं अभी भी ये मरा है या नहीं! लेकिन अगर ये मर भी गया है तो भी मुझे इसके मरने का कतई अफसोस नहीं है क्योंकि ये जो भी था, कम से कम इंसान तो नहीं ही था.
लेकिन इसके खत्म होने से एक नुकसान भी हुआ है, नागराज, अब ये पता कैसे चलेगा कि ब्रेनगन का अपहरण किसने किया है?
और वे लोग उसको कहां ले गए हैं
शायद वे ब्रेनगन के दुश्मन रहे हों. हमें ब्रेनगन के परिवार वालों से मिलकर यह पता करना होगा कि ब्रेनगन की किससे दुश्मनी थी
ये काम है करो. पर ब्रेनगन को जल्दी ढूंढ़ना. उसका शो भी टी. वी. पर दिखाना है इसको.
हा हा हा. ओ के भारती. ब्रेनगन का पता चलते ही मैं राज के साथ उसको तुम्हारे पास भेज दूंगा

मैं सबका तमाशा कहां दिखाता हूं, मम्मी. ये तो नागराज अंकल थे तो दिखा दिया.

ओफ्, अपने पिता की शक्तियों के साथ-साथ थोड़ी सी उनके जैसी अक्ल भी लेकर पैदा होता तो अच्छा होता.

अक्ल तो आपसे ली है, तभी तो इतना समझदार है.

पर नागराज अंकल यहां पर क्यों आए हैं?

कहीं?? पापा की किडनैपिंग हो गई तो.

हां, मोंटी. अब अगर तुम्हारा शक किसी ऐसे आदमी पर हो तो हम उसके पास जाकर तुम्हारे पापा का पता लगा सकते हैं.

इतना लंबा चौड़ा नागराज अंकल कहने की जरूरत नहीं है, मोंटी. तुम मुझको सिर्फ 'नागराज' कह सकते हो.

ओ.के. नागराज. बताइए आप मम्मी से मिलने आए हैं या मुझसे?

तुम समझदार हो मोंटी. मेरे ख्याल से तुमको सच्चाई पता होनी चाहिए. तुम्हारे पापा का अपहरण हो गया है! और मैं ये जानने आया हूं कि ये अपहरण कौन कर सकता है.

ऐसे आदमी का तो मुझे पता नहीं है, पर पापा का पता तो मैं चुटकियों में लगा सकता हूं.

कैसे?

यह हमेशा याद रखना अल्कर कि विज्ञान की तरक्की का फायदा पूरी मानव जाति को मिलना है किसी एक मुल्क को नहीं। हम चार साल से अपने 'गोस्ट' की टेस्टिंग कर रहे हैं, पर सफल नहीं हो सके; उसका राज़ अभी भी राज़ ही है
शायद अमेरिका वाले उसके राज़ पर से पर्दा उठाने में कामयाब हो सकें. इनको विज्ञान की तरक्की रोकने का कोई हक नहीं है.
आप शायद ठीक कह रहे हैं लेकिन इसको भेजने की जो तैयारियां की गई हैं, उससे हमारे गोस्ट और इस गुप्त स्थान की बात कई कानों तक पहुंच गई है. अब तक ये रहस्य हमारे अलावा और कोई नहीं जानता था. अब ये राज़ कई लोग जानते हैं
और इनमें अपराधी किस्म के लोग भी शामिल हैं
और वे यहां तक भी आ पहुंचे हैं.
हमको 'गोस्ट' को इनके हाथों में पड़ने से बचाना होगा
हर कीमत पर

गार्ड्स की पहली टुकड़ी को तो मिस किलर के गुंडों ने आसानी से काबू में कर लिया था-
लेकिन सुरक्षा के ऐसे कई घेरे थे-
ओफ्! हम जिस चीज़ को लेने आए हैं, उसको यहां से ले जाया जा चुका है हमको उसका पता लगाना होगा.
मैं अभी उसका पता लगाता हूं.
वहां तक पहुंचने ... कर दें.
लेकिन मेरे वार पहुंच सकते हैं
मेटल मेन ने ध्यान लगाया-
ओफ्. हम चारों तरफ से घिर चुके हैं! और इतनी दूर तो मेरे वार भी नहीं पहुंच सकते.
और निशाना साधे सैनिकों पर पूरी छत ही आ गिरी
आ ऽऽऽह
अब रास्ता साफ है.

आपको जिस चीज की तलाश है मैडम, वह इस तरफ है.
इससे भला किसी चीज को कैसे बचाया जा सकता है-
जिस शख्स को कोई चीज ढूंढने के लिए नजरों की जरूरत ही न पड़े-
हा हा हा, मिल गया वह जिसकी मुझको जरूरत थी
अब इसको भी उठाकर ले चलें, मैडम?
हे भगवान, इन्होंने सुरक्षा घेरे को भी तोड़ डाला और हमको ढूंढ भी निकाला पर कैसे?
नहीं, इसकी जरूरत नहीं है; मैं यहां पर इसको नहीं बल्कि इसके दिमाग को चुराने आई हूं. मैंटल मैन, इसके दिमाग को अनलॉक करके वह काम पूरा करेंगे जो ये निकम्मे वैज्ञानिक चार साल में नहीं कर पाए.
फिर इसके दिमाग अनलॉक होते ही मैं अपने 'पर्सनेलिटी स्विचिंग गैजेट' की मदद से इसकी इन्वेन्शन का हर पहलू चुरा लूंगी.
फिर इसकी सारी भावनाएं और ज्ञान मेरे कब्जे में होगा.

और नागराज का रास्ता आँखों ने रोक लिया
नागराज को जब तक रोक सकता है, रोके रखो.
तब तक मैं खुद अपनी 'पर्सनैलिटी स्विच मशीन' की मदद से इन बन्दियों के दिमाग अनलॉक करने की कोशिश करता हूँ.

आssss ह.. मैं.. मैं मेंटल मैन से मानसिक संपर्क क्यों नहीं बना पा रहा हूं, पहले मैं मानसिक संपर्क बनाने में मुझको सेकंड भी नहीं लगता था...

...और... और अब मुझे ऐसा लग रहा है कि मेंटल मैन मेरे दिमाग में घुस रहा है, मेरे दिमाग को अपने कब्जे में लेना चाह रहा है. ओ पापा, मेरे मानसिक संकेतों को पहचानिए, मैं मोंटी हूं, मोंटी.

कोई फायदा नहीं

नागराज तुरन्त इच्छाधारी रूप में बदलकर जकड़ों से आज़ाद हो गया-
मिस किलर को सफलता
ओफ् इस रूप में मैं न तो ज़ॉज पर हमला कर सकता हूं और न ही मिस किलर पर. अब क्या करूं मैं ज़ॉज से पीछा छुड़ाने के लिए
आऽऽऽह! इस परग्रही का दिमाग अजनबी हो रहा है. अभी भी यह कोमा में ही है लेकिन मैं इसके अचेतन मस्तिष्क में घुसने ही वाली हूं. बस ज़ॉज, नागराज को थोड़ी देर तक और रोक रख सके तो बात बन जाए.
मौटी भी मेंटल मैन की टक्कर तोड़ रहा था लेकिन फिर भी था तो वह एक बच्चा ही
आऽऽऽऽ इसमें तो मानसिक शक्ति भी पापा जैसी ही है. फिर तो मेंटल मैन के मास्क के अंदर पापा ही हैं. अगर मैं इसकी शक्ल देख सकूं तो शायद मुझमें फिर से हिम्मत आ जाए. मेंटल मैन का मास्क फाड़ना होगा.
मौटी के 'टेली काइनेसिसवार' से उड़ता वह नुकीला धातु का टुकड़ा मेंटल मैन के मास्क को चीरता चला गया-

...माया नहीं है। फिर इसके पास से नाग की मानसिक तरंगें कैसे आ रही हैं?
आऽऽऽह
मास्क के अंदर अपने प्राण ब्रेनगन का चेहरा न पाकर मोंटी की हिम्मत बढ़ने के बजाय खत्म हो गई थी-
और अब मेटल मैन का एक ही वार, मोंटी को बेहोश करने के लिए पर्याप्त था।
अब नागराज के लिए मुसीबत बढ़ गई थी।
ओह, मेटल मैन के मानसिक वार मुझको नाग संकेतों के लिए इच्छाधारी रूप में रहने नहीं दे रहे हैं।
और मेरे साधारण रूप में आने से जैसे कुछ नया होने के लिए तैयार है. पहले वार से ही निपटना पड़ेगा.
और इससे नहीं निपटा जा सकता है, जब ये जबड़े उगलने के लिए अपना मुंह खोल ही न पाएं. इसके जबड़ों को जाम करना पड़ेगा।
लेकिन यहां पर ऐसी कोई चीज नजर नहीं आ रही है जो इसके जबड़ों को जाम कर सके पर हां, एक चीज ऐसी है बस, अभी वह नजर नहीं आ रही है।

अरे ये क्या? मेरे ही सांप वापस आकर मुझको काट रहे हैं.
हा हा हा. देखा मेरी स्प्लिट पर्सनेलिटी ... का कमाल. इसकी किरण ने तुम्हारे नागों के बुरे रूप को उभार दिया है. अब ये दुष्ट सर्प बन गए हैं.
मुझ पर भी मैं इस किरण का वार करके नायिका से खलनायक बना दूंगी. मेरे अंदर भी एक बुरा रूप छुपा हुआ है. वह रूप जो कभी नागमणि और आतंकवादियों के इशारों का गुलाम था.
लेकिन चूंकि अब ये मेरी किरण के कब्ज़े में हैं, इसलिए ये मुझे नहीं, बल्कि तुझको काट रहे हैं.
लेकिन ... वह बुरा रूप मेरा गुलाम होगा
... का. ये आइडिया मुझे पहले क्यों नहीं आया?
ओह, इसकी किरण ऐसा हाल कर सकती है! अपने नागों का हाल मैं अपनी आंखों से देख चुका हूं. मुझे इसकी किरण से बचना होगा.
इच्छाधारी रूप में बदल कर
लेकिन ये... ये क्या हो रहा है. किरण मेरे अदृश्य शरीर के पार नहीं जा रही है.
बल्कि ये मेरे शरीर में हलचल पैदा कर रही है.
... में खिंचाव सा महसूस हो रहा है.
ऐसा लग रहा है जैसे कि मैं...

दो भागों में बंट रहा हूं.
आ साईं गॉड,
कमाल हो गया, अब

अंधे के हाथ बटेर लग गई थी
हा हा हा, दुगा ... नो अदृश्य रूप का अन्तर्ज्ञान इस्तेमाल होता है। मुझे तो इसको कंट्रोल करने की जरूरत भी नहीं है। ये खलनायक नागराज तो खुद ही नायक नागराज को खत्म करने के लिए बेताब हो रहा है।
?
बहुत सालों के बाद मुझ पर काबू पाने का मौका मिला है नायक, अब तक तूने मुझे एकदम दबाकर रखा था, एक भी इच्छा पूरी करने का मौका नहीं दिया था, आज मैं अपनी सबसे बड़ी इच्छा सबसे पहले पूरी करूंगा।
तुझको खत्म करने की इच्छा, आज के बाद खलनायक नागराज वह हर बुरा काम करने के लिए आजाद होगा जो वह करना चाहता है।
धड़ाक

आऽऽऽह्‌. इसकी शक्ति तो मेरे बराबर की है. लेकिन इसके गुस्सैल स्वभाव ने इसके शरीर में बहती ऊर्जा को बढ़ा दिया है इसलिए ये मुझ पर हावी हुआ जा रहा है.
लेकिन गुस्सा इंसान की सोचने समझने की शक्ति को खत्म कर देता है. और इसकी यही कमजोरी मेरी ताकत बन सकती है. बस मुझे इसको एक बार इच्छाधारी कणों में बदलने के लिए मजबूर करना है फिर मैं खुद इच्छाधारी कणों में बदलकर इसके कणों के अंदर मिल जाऊंगा.
और एक बार फिर से बन जाऊंगा संपूर्ण नागराज.
खलनायक ने वैसा ही किया, जैसी कि नागराज को उम्मीद थी—
वह भी दीवार पर चढ़ता हुआ छत तक आ पहुंचा था.
और उसमें इतनी मजबूती नहीं बची थी कि वह खलनायक नागराज का वजन संभाल सके—
हो चुका था

अब खलनायक नागराज के सामने दो ही रास्ते थे, पहला, या तो इच्छाधारी कणों में बदलकर गिरने से बच जाए-
या दूसरा फर्श से टकराकर अपनी हड्डियां तुड़वा बैठे-
दोनों ही तरीकों से फायदा नागराज को ही पहुंचता था-
पर नागराज को वह फायदा मिला नहीं-
क्योंकि इसी पल उसके शरीर से मलबे के वे दोनों टुकड़े आ टकराए जो खलनायक नागराज के हाथों से चिपके हुए थे-
पलभर के लिए नागराज का सिर चकरा गया और जब तक वह अपने आपको संभाल पाता-
तब तक खलनायक नागराज इच्छाधारी कणों में बदलकर-
फिर से सामान्य रूप धारण कर चुका था-

दोनों नागराजों की लड़ाई अब घातक स्तर पर उभर आई थी-
इसको अपने आसपास मौजूद लोगों का ज़रा सा भी ख्याल नहीं है। अब मुझे ज़रा सी भी दया न दिखाते हुए इसकी बुराई का जल्दी से जल्दी खात्मा कर देना है।
मेरा बुरा रूप भी हर शक्ति की नकल बन सकता है! लेकिन विशेष नागफनी सर्पों की नकल नहीं बन सकता क्योंकि वे मुझे देव कालजयी से वरदान में मिले हैं।
अब ध्वंसक सर्पों की मदद से या तो मैं खलनायक नागराज को नष्ट कर दूंगा, या फिर इसको इच्छाधारी कणों में बदलकर बचने के लिए मजबूर कर दूंगा।
लेकिन खलनायक नागराज भी नागराज ही था-
ओऽऽऽह! यह ध्वंसक सर्पों से बचने के लिए रेत की ढाल का प्रयोग कर रहा है।
और साथ ही साथ रेत के कण उड़कर नागफनी सर्पों के दम भी घोंट रहे हैं।

नागराज की इस नई शक्ति ने एकतरफा लड़ाई का रुख पलट दिया था-
ये क्या हो रहा है? नागराज उड़ … है? पर कैसे? नागराज में उड़ने की शक्ति तो नहीं है
कुछ गड़बड़ अंदर है. कोई बहुत बड़ी गड़बड़.
मुझको यह लड़ाई यहीं पर रुकवानी होगी.
मुझे क्या हो रहा है? मेरे अंदर अजीब- अजीब सी शक्तियां पैदा होती महसूस हो रही हैं जो चाह रहा हूं वह कर … रहा हूं.
अंत सामने नजर आ रहा था-

मिस किलर को अपने अड्डे तक पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगा था-
अपने दो आदमियों का घाटा उठाना पड़ा मुझे लेकिन फिर भी मेरा अभियान सफल रहा, और यह तुम्हारी वजह से हो पाया, खलनायक नागराज.
अब मेरे साथ-साथ तुम भी इस दुनिया पर राज करोगे और इसमें तुम्हारी मदद करेगी इस परछाईं की दिमागी शक्ति और वैज्ञानिक ज्ञान.
लेकिन अब इसके दिमाग को अनलॉक कौन करेगा, मिस किलर?
वही जो इसका दिमाग पढ़कर अनलॉक कर रहा था.
ब्रेनमैन.
ओह, तो ब्रेनमैन यहां पर कैद है. फिर इसका बेटा इसकी ब्रेन-वेव्स का पीछा करता हुआ इस ... तक कैसे आ पहुंचा था?
ये इस वक्त जिस मशीन के बीच में बंधा है वह मानसिक शक्तियों को एक इंसान से दूसरे इंसान तक और यहां तक कि किसी यंत्र तक भी पहुंचा सकता है. मेरा आदमी मेंटल मैन इसकी शक्तियों को ही काम में ला रहा था. इसीलिए इसके बेटे मोंटी को इसकी ब्रेन-वेव्स पकड़ने का मौका मिल गया.
और तुमको इसका शुक्रगुजार होना चाहिए, खलनायक नागराज.
क्योंकि तुमको मेरे जिस यंत्र पर्सनैलिटी स्प्लिटर ने नागराज की कैद से आजाद किया है वह भी इसकी मानसिक शक्तियों से ही चल रहा था.

और अब ब्रेनलाक की ही मदद से इसका दिमाग अनलॉक करेगी और मुझे विज्ञान सामग्री मिलेगी
अनलॉकिंग शुरू हो रही है नागराज, देख क्या होता है
UNLOCK BEGINS
अनलॉकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई-
PROCESS
हा हा हा अब जल्दी ही इस परछाई की सारी मानसिक शक्ति और सारा वैज्ञानिक ज्ञान मेरे पास होगा जल्दी... जल्दी...
...जल्दी ? अरे ये क्या ? इसके... इसके दिमाग में तो कुछ है ही नहीं, ये कैसे हो सकता है ? क्या ये परछाई एकदम बेवकूफ था, नहीं नहीं होता तो इसको पृथ्वी को जीतने के अभियान पर लाया ही नहीं जाता चक्कर कुछ और है, पर और क्या हो सकता है ?
PROCESS COMPLETED
NOTHING FOU
वह लड़का मौटी,
उनसे इस बात का क्या संबंध हो सकता है ?
याद करो जिस दिन मुझसे लड़ते लड़ते नागराज में एकाएक नई नई शक्तियां आ गई थीं और वे नई शक्तियां उसमें तब आई थीं, जब मौंटी ने उसका स्पर्श किया था.
हां, ये तो हुआ था पर इसका मतलब क्या हुआ ?
मौंटी में इतनी शक्तियां नहीं हो सकतीं कि वह किसी और को शक्तियां दे सके.
मौंटी को वे शक्तियां कहीं और से मिली थीं और वह शक्तियां उसे सिर्फ ये परछाई ही दे सकता है!

तुमको कुछ नहीं होगा. मैं तुम्हारी रक्षा करने के लिए शीतनागा और सौडांगी को तुम्हारे साथ सरकी तरह लगा दूंगा.
और फिर तू मुझको रोकने के लिए उनके पहुंच ही न पाऊं.
तेरा प्लान तो ठीक है, लेकिन इसमें एक खामी है! अगर तू सौडांगी और शीतनागा को सौंडी की रक्षा के लिए भेज सकता है...
...तो मैं सौडांगी और शीतनागा को सौंडी को पकड़ने के लिए भेज सकता हूं.
आफ्फ, इसका तो मुझको ख्याल ही नहीं आया था कि इसके शरीर में सौडांगी और शीतनागा के खलनायक रूप भी मौजूद होंगे.
ऐ तो मैंने खुद ही मुसीबत मोल ले ली.
अब तो बच सकें ही रास्ता है.

कि मैं इस पर अपनी सारी शारीरिक शक्ति और मानसिक शक्ति जोड़कर ऐसा भीषण वार करूं जो इसको बेहोश कर सके, और मैं इस बुरे रूप को अपने अंदर समेटकर नष्ट कर सकूं.
इस भीषण वार में हाथियों के झुंड तक को बेहोश कर सकने की ताकत थी-

लेकिन... लेकिन तू इधर है तो फिर उधर ज़मीन पर कौन पड़ा हुआ है जिसकी पीट-पीटकर मैंने जान निकाल दी?
जान नहीं निकाल दी, बल्कि बैटरी खत्म कर दी है. वह कोई ज़िन्दा इंसान नहीं है, बल्कि मेरी केंचुली के अंदर कार के पुर्जों से बना एक रोबोट है जिसको कार की बैटरी चला रही थी। इसको बनाने में मशीनल के उन्नत विज्ञान ने मेरी मदद की है.
दरअसल जब मैं कारों के नीचे दब रहा था तो खरोंच लगकर मेरी खाल फट गई थी. यह आइडिया मुझको तभी आया. मैंने फटाफट अपनी केंचुली उतारकर उससे कार के पुर्जे फिट किए और इच्छाधारी कणों में बदलकर कारों के पहाड़ से आज़ाद हो गया.
अब जब तक हमारे इच्छाधारी कण आपस में गुंथे हुए हैं तब तक तीन पलों से वापस सामान्य रूप में आने वाली मजबूरी हमारे सामने नहीं है. क्योंकि ये नियम तभी लागू हो सकता है जब हमारे इच्छाधारी शरीर अलग-अलग हो जाएं. और ऐसा मैं होने नहीं दूंगा.
अब ये शरीर कभी अलग नहीं होंगे क्योंकि मैं तुम्हारे शरीर को अपने अंदर समेटने के बाद ही सामान्य रूप में आऊंगा. अब सिर्फ एक ही शरीर रहेगा: मेरा शरीर.

मैंने गलत नहीं कहा था कि क्रोध सोचने समझने की शक्ति को गुम कर देता है. अगर ऐसा नहीं होता तो तुमको ये समझने में वक्त नहीं लगता कि जिससे तुम लड़ रहे हो वह जिन्दा इंसान नहीं बल्कि एक रोबोट है.
इच्छाधारी रूप में नायक नागराज स्वर्णनायक नागराज पर भारी पड़ रहा था
अब स्वर्णनायक नागराज का अस्तित्व मिटने में ज्यादा वक्त नहीं था-
सौडांगी और शीतलनाग कुमार भी अपने अपने बुरे रूप पर विजय पा चुके थे-
दोनों के ही बुरे रूप हारकर उनके शरीर में वापस आने के लिए बाध्य हो गए थे-
लड़ाई खत्म होने वाली ही थी कि तभी-
अरे! मेरे दिमाग में स्वर्णनायक नागराज के दिमाग के जरिए किस किस्म का संदेशा आ रहा है.
रुक जाओ नागराज, याद रखो एलियन की मेमोरी चाहे रोबोट के मस्तिष्क में है, लेकिन उसका शरीर अभी मेरे पास है!
अगर आपने स्वर्णनायक नागराज के टुकड़े कर दिए तो एलियन के शरीर की बोटी बोटी कर दूंगी मैं
फिर वही एलियन हमेशा के लिए अपने शरीर को ढूंढता फिरेगा जिसको बचाने के लिए तुम इतने बेताब हो.

और जल्दी ही-
आओ, नागराज आओ. मुझे तो अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा है. नागराज मेरे अड्डे पर, और वह भी बंदी के रूप में.
तेरा बुरा रूप यानी तेरी बुराई तो तुझको हरा नहीं पाई, लेकिन तेरी अच्छाई तेरी मौत जरूर बनेगी नागराज.
सलियत के प्रति परोपकार ही तुझे मौत के घाट उतारेगा.
मैं जानता था कि तुम्हारे जैसे अपराधी कभी वादा पूरा नहीं करते. तुमने तो सलियत को मेरे हाथों में सौंपने का वादा किया था
किया था पर ये नहीं कहा था कि मेरे वे हाथ जिन्दा होंगे या मुर्दा
पर चलो मैं एक सौदा कर लेता हूँ. तुमने सलियत के लिए जान दांव पर लगाई है तो सलियत का भी तो तुम्हारे प्रति कुछ फर्ज बनता है.
मौंटी के दिमाग में सलियत की मेमोरी को तेरे सिर पर चढ़े इस यंत्र की मेमोरी में भरवा दो तो शायद मैं तुमको जिन्दा छोड़ दूं!

जल्दी ही नागराज, मोंटी के माध्यम से ब्रेनवान के मस्तिष्क से संपर्क बना रहा था-
अरे, ये क्या हो रहा है?
सच्चे इंसान अपना वादा कभी नहीं भूलते.

इससे बचने के लिए मुझको इच्छाधारी रूप धारण करना होगा! फिर मैं पता करूंगा कि ये हमला आखिर मुझ पर कहां से हो रहा है?
यही मौका है! अब मुझको भी अपनी सारी शक्ति समेटकर इच्छाधारी कणों में बदल जाना चाहिए!
अरे! अरे! तुममें अभी भी इतनी शक्ति बाकी है कि तू इच्छाधारी रूप में आ सके! पर कोई बात नहीं!
इस रूप में भी खल-नायक नागराज कमजोर नायक नागराज पर भारी पड़ेगा! मेरे इच्छाधारी कणों को मैं अपने कणों में मिश्रित होने ही नहीं दूंगा!
और मेरे शरीर से जुड़ते ही मुझमें पूरी शक्ति फिर से वापस आ जाएगी! फिर मुझको न तो तुझे काबू में करने का वक्त मिलेगा ...
...और न ही अपना संपूर्ण रूप से फिर से प्राप्त करने में!
ऐसा करने से तू मुझको रोक नहीं सकता, खलनायक क्योंकि जिस शक्ति ने मुझको तेरे शरीर से अलग किया था अब वही शक्ति तुझको मुझसे जोड़ेगी!
की मानसिक शक्ति!
संपूर्ण नायक नागराज फिर से वापस आ गया है!

और अब तुम्हारी खैर इसी में है कि तुम आत्मसमर्पण कर दो सिस किलर!
अब तू घुटने टेककर मेरे सामने गिड़गिड़ा नागराज! क्योंकि अब तू मेरे सामने एक भुनगे से ज्यादा कुछ नहीं है!
इसका हेलमेट, एलियन का वैज्ञानिक ज्ञान इसी के सर्किटों में भरा है। अगर मैं इसको इसके सिर से गिरा दूं तो शायद इसकी नई शक्तियां भी चली जाएं!
लेकिन-
कोई फायदा नहीं है नागराज! अब तक सारा ज्ञान मेरे दिमाग में समा चुका है। अब मुझे इस हेल्मेट की जरूरत नहीं है।
अब मैं अजेय हूं! अरे!
सारे यंत्र काम करना बंद क्यों कर रहे हैं? और... और... दीवारों के बीच से अंदर क्या आ रहा है?
मुझे वापस लेने के लिए यान आ चुका है! सिस किलर! उसी की मैगनेटिक फील्ड तुम्हारे यंत्रों को खराब कर रही है! और ये मेरे साथी हैं जो मुझे लेने आए हैं। इनकी संयुक्त शक्ति के सामने तुम टिक नहीं सकती!
ओफ! सही कहा तूने! पर अगर ये शक्ति मुझे नहीं मिलेगी तो किसी को भी नहीं मिलेगी!
वापस चले जाओ! वर्ना ये बारूद बम तुम सबके साथ साथ तुम्हारे यान के भी चिथड़े उड़ा देगा!
तब तुम भी मर जाओगी।
पर तुम सब-
को साथ लेकर मरूंगी। फैसला जल्दी कर लो, बम फटने में सिर्फ तीस सेकंड बचे हैं!

... इस 'पर्सनेलिटि स्पलिट यंत्र' को चलाने के लिए! अगर यह मेरे अंदर का बुरा रूप उभार सकता है तो मिस किलर में छुपा अच्छा रूप भी उभार सकता है! मैंने इसकी सेटिंग अच्छे रूप पर फिक्स कर दी है!

यंत्र का असर तुरंत सामने आ गया–

अरे! ये... ये मैं क्या करने जा रही थी? लाखों जिन्दगियों को खत्म कर रही थी मैं! मैं अभी इस बम को बंद कर देती हूं! धन्यवाद नागराज! तुमने मुझे एक बड़े पाप से बचा लिया! (सुबुक)

अब मुझे अपने पापों की सजा पाने के लिए कानून के पास ले चलो नागराज!

छिः थू! मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं शेनान के मुंह से राम-राम सुनूंगा! अब खतरा टल चुका है! धरती अब सुरक्षित है!

परग्रही तो गए नागराज, पर मिस किलर के पास अपना ज्ञान छोड़ गए हैं! कहीं मिस किलर फिर से उस ज्ञान का दुरुपयोग न कर ले!
सुबुक!
ऐसा नहीं होगा ब्रेनगन! मैंने 'सम्मोहन आदेश' के द्वारा मिस किलर को वह सारा ज्ञान भूल जाने का आदेश दिया है!
अब ये उस ज्ञान का कभी प्रयोग नहीं कर सकती!
समाप्त